

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। -वाल्मीकि

शिक्षा में भी भयावह भ्रष्टाचार

प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस 2022 के उद्बोधन में भ्रष्टाचार और परिवारवाद की आलोचना की है। यह सही भी है कि ये दोनों बुराईयों इस देश को दीमक की तरह चाट कर खोखला कर रही हैं। प्रत्येक भारतीय इसका शिकार है। जहाँ तक परिवारवाद का प्रश्न है वह एकतंत्र, राजशाही और तानाशाही से कम नहीं है। वक्ता हुआ पानी सड़ने लगता है। परिवारवाद में भी जब एकाधिकार हो जाता है तो विकृतियाँ आना स्वाभाविक है। आखिर क्यों पीढ़ी दर पीढ़ी हम शासन को अपनी बपौती मानने लगते हैं? क्या कोई स्थायी पट्टा उनके नाम का ईश्वर ने भेज दिया है? देश के कई प्रांतों में परिवारवाद की झलक मिल जायेगी, या तो वह है या उसका सदैव प्रयास रहता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, ओडिसा, पश्चिम बंगाल, आदि में कुछ से पूर्व में परिवारवाद भोगा है और कुछ में यह बुराई लाने का प्रयास चलता रहता है। इससे ही जुड़ा एक मुद्दा और है कि मुख्यमंत्री जो भी एक बार बन जाता है वह जीवनपर्यंत मुख्यमंत्री रहना चाहता है भले ही उसे अनुचित काम ही क्यों न करना पड़े। राजस्थान और बिहार इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। राजस्थान में वर्तमान मुख्यमंत्री येन केन प्रकारेण सदैव मुख्यमंत्री रहना चाहते हैं तो बिहार में मुख्यमंत्री ने गठबंधन बदल-बदल कर अनेक बार मुख्यमंत्री की शपथ ली है। यह घोर अनैतिकता है। नैतिक मूल्यों की ध्वजियाँ उड़ा कर ये राज्य व देश की जनता के सामने घोर चारित्रिक पतन और सत्ता लिप्सा का उदाहरण रखते हैं।

इस प्रकार के भ्रष्ट आचरण से जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्ट आचरण को बढ़ावा मिलता है। राजनीतिक गठबंधन के साथ कई नीतिगत समझौते करने पड़ते हैं। स्वार्थ पूर्ति करनी पड़ती है और अनुचित कार्य भी करने पड़ते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री को छवि कुछ अच्छी थी, परंतु उनके लिये अब तो 'पलटूदाम' शब्द प्रचलित हो गया है। ऐसे भ्रष्ट आचरण की जहाँ कहीं भी वह हो भर्त्सना करनी चाहिए।

राजनीतिक भ्रष्टाचार का प्रभाव शिक्षा पर भी पड़ता ही है और बिहार, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में फर्जी डिग्री, फर्जी विश्वविद्यालय व नकल के सबसे अधिक प्रकरण सामने आते रहते हैं।

शिक्षा में भ्रष्टाचार उसके अंकुश से ही प्रारंभ हो जाता है। छात्र हैं तो स्कूल नहीं और स्कूल है तो छात्र नहीं। कहीं भवन नहीं तो कहीं शिक्षक नहीं। शिक्षक हैं तो अधिकांश अयोग्य और अकर्मण्य। उनकी शिक्षा भी तो ऐसी हुई कि पढ़ना चाहा नहीं, या तो सभी उत्तीर्ण कर दिये गये या नकल करके पास हो गये। हाँ अपवाद तो होते ही हैं पर ये गण्य हैं। शिक्षकों को न विषय का ज्ञान है और न ही हिंदी अथवा अंग्रेजी में सही अभिव्यक्ति का शिक्षण ही नहीं प्रशिक्षण भी बिना उपस्थिति के पूरा हो जाता है। अब बारी आती है शिक्षक भरती को तो कहीं परिवीक्षक नकल कराते हैं तो कहीं छात्र व शिक्षक सभी स्तरों पर नकल के नये-नये तरीके अपनाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी यह नकल का धंधा खूब चलता है। शिक्षक पात्रता परीक्षा में राजस्थान व बिहार व पश्चिम बंगाल में अनुचित साधनों की खूब चर्चा होती है। पश्चिमी बंगाल में तो भ्रष्टाचार में कीर्तिमान स्थापित किये हैं। मेरिट लिस्ट ही बदल गई। भर्ती के नाम पर लाखों रुपये लिये गये और करोड़ों के ढेर स्नान घर में लगाये गये। एक मंत्री हटायें गये और वे हिरासत में हैं।

यही हाल विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों का है। अधिकांश शिक्षक स्वयं विषय निष्णात नहीं हैं।

हाँ, एक अत्यावश्यक कदम और उठाना

होगा राजकीय शिक्षकों की प्राइवेट ट्यूशन और राजकीय चिकित्सकों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर पूर्ण प्रतिबंध हो, राजकीय कर्मचारियों/अधिकारियों व पदासीन राजनेताओं की शिक्षा व चिकित्सा राजकीय विद्यालयों व चिकित्सालयों में हो। कोचिंग सेंटर बंद किये जायें।

चलती रहती है, पदोन्नति होती रहती है और शिक्षक राजनीति में पूर्णकालिक सेवा देते रहते हैं। लोकचर हेतु पीएचडी को निरंतर मान्यता देकर फर्जी व निम्नस्तरीय डिग्री को बढ़ावा मिला है।

शिक्षा व चिकित्सा में नैतिकता किसी भी राष्ट्र के नैतिक स्तर के मानदंड हैं, पर हमारे देश में इन दोनों ही क्षेत्रों में चोर भ्रष्टाचार चरम पर है। चिकित्सा हेतु करोड़ों की राशि वसूल की जाती है और साधनों के पूर्ण अथवा आंशिक अभाव में प्रशिक्षण होता है। शिक्षा व चिकित्सा दोनों में रिजर्वेशन (आरक्षण) ने कोढ़ में खाज का काम किया है। अयोग्य शिक्षक व चिकित्सक ही नहीं, भ्रष्ट आचरण वाले शिक्षकों व चिकित्सकों को इससे बढ़ावा मिला है।

प्रधानमंत्री के उद्बोधन में भ्रष्टाचार का उल्लेख है, पर उसका उन्मूलन अपने आठ वर्ष के शासन में तो नहीं कर पाये हैं। शायद यह कहना ठीक होगा कि भ्रष्टाचार बेशर्मी व बेझिझक से खुलेआम शिष्टाचार की तरह हो गया है।

केन्द्र व राज्य सरकार का कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है। मंत्रियों की नाक के नीचे अधिकारी व कर्मचारी भ्रष्टाचार करते हैं। केन्द्र व राज्य सरकारों ने कभी भी भ्रष्टाचार मिटाना ही नहीं चाहा, क्योंकि प्रत्येक राजनेता व अधिकारी को पैसा चाहिये। प्रति वर्ष जो गोपनीय प्रतिवेदन भरे जाते हैं उनमें सभी राजनेताओं से अपने व परिवार की सम्पत्ति का व्यौरा देना होता है, क्या उसकी कमी कोई जाँच होती है? वह प्रारंभ करे। राजनेता शिक्षा से प्रत्येक स्तर पर दूर रहें, दखल न दें। प्रत्येक स्तर पर चयन में पारदर्शिता लायें।

चुनाव हेतु भ्रष्ट तरीकों से पैसा वसूल न करें। बेईमान कर्मचारियों व अधिकारियों को बर्खास्त कर न भर्ती करें। भ्रष्टाचार तभी मिटेगा।

हाँ, एक अत्यावश्यक कदम और उठाना होगा राजकीय शिक्षकों की प्राइवेट ट्यूशन और राजकीय चिकित्सकों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर पूर्ण प्रतिबंध हो, राजकीय कर्मचारियों/अधिकारियों व पदासीन राजनेताओं की शिक्षा व चिकित्सा राजकीय विद्यालयों व चिकित्सालयों में हो। कोचिंग सेंटर बंद किये जायें। राजकीय शिक्षा व चिकित्सा संस्थानों में शिक्षण अथवा उपचार की व्यवस्था न होने पर ही अत्यंत शिक्षा व चिकित्सा संस्थानों में भेजा जाय। विदेशों में सरकारी व्यय पर शिक्षा व चिकित्सा स्वदेश में उपलब्ध नहीं हो तो ही भेजा जाय। डिजिटलाइजेशन में भी वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा का ध्यान रखा जाय, क्योंकि कई के लिये उसे सीखना अब संभव नहीं है। जनता भी निश्चय ही भ्रष्टाचार में सहभागी है। वह भी अपने उचित-अनुचित सभी कार्यों हेतु भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है, उसे भी भ्रष्ट कर्मचारियों/अधिकारियों व राजनेताओं के आचरण की जानकारी उच्च अधिकारियों, मंत्रियों को बताना चाहिये और उसके आधार पर पदोन्नति व चुनाव लड़ाने पर रोक हो।

-अतिथि सम्पादक,
केलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

राशिफल शनिवार 20 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2079, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 4:40 तक, व्याघ्रात योग रात्रि 9:41 तक, तैत्तिल करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरु-मीन, शुक-कर्क, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वाथ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:40 तक रहेगा। ज्वालामुखी योग रात्रि 1:09 तक है। आज बुध कन्या राशि में रात्रि 2:06 तक है। आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, रोहिणी व्रत, अश्वत्थ मारुती पूजन है। आज राजीव गांधी जयन्ती और सद्भावना दिवस है।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:56

मेघ	सिंह	धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त होगा। आर्थिक कार्यों से अटके हुए कार्य करने लगे। संभावित खोटे से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।	व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।	स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बचना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
वृष	कन्या	मकर
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशासन प्राप्त होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार करने लगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	नवीन कार्यों में आ रही अड़चन दूर होना लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वाता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
मिथुन	तुला	कुंभ
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बन्ते कार्य विगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियाँ अभी व्यापक बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।	घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
कर्क	वृश्चिक	मीन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।	परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। धन प्राप्त होगा।	परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। भाई-बंधुओं-मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

उदयपुर संभाग में गवरी लोकानुष्ठान की धूम

उदयपुर संभाग में भील समुदाय का धार्मिक लोक नाट्य अनुष्ठान गवरी का पावन पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन (ठंडी राखी) भादो महीने की एकम से प्रारंभ हो गया है। मेवाड़ क्षेत्र में यह गवरी लोक नाट्य अखिन माह की नवमी तक पूरी आस्था, पवित्र भाव, उत्साह एवं धूमधाम से मंचित किया जा रहा है। मेवाड़ अंचल में भील समुदाय के लोगों ने गौरजा देवी के देवों में जाकर परंपरा अनुसार पाती लेकर गवरी लोक नाट्य का मंचन प्रारंभ कर दिया है। चालीस दिन तक चलने वाले इस पर्व में भील समुदाय देवी पार्वती की प्रतीक गौरजा देवी की आराधना में तल्लीनता के साथ जुट गए हैं।

राजस्थान की समृद्ध लोक परंपराओं में यह नृत्य नाटिका सबसे अनूठी है। यह भील जनजाति का लोक नाट्य नृत्यानुष्ठान है, जो सैकड़ों वर्षों से प्रतिवर्ष नियमित रूप से मनाया जाता है। भील समाज की मान्यता है कि भगवान शिव उनके दामाद हैं और गौरजा अर्थात् पार्वती बहन-बेटी है। ठंडी राखी के दिन कैलाश पर्वत से गौरजा अपने पीढ़र मृत्यु लोक में सभी से मिलने आती है। गवरी खेलने के बहाने सवा माह तक अलग-अलग गांव में यह सबसे मिलती है। जनजाति के लोग गौरजा देवी को सर्व कल्याण तथा मंगल की प्रदात्री मानते हैं।

गवरी लोक नृत्य नाटिका खेलने वालों को खेल्ने कहा जाता है। गवरी



पन्नालाल मेघवाल

लोक नाट्य मंचन के दौरान पूरे सवा महीने तक यह खेल्ने मात्र एक समय भोजन करते हैं। वह नहाते नहीं है तथा हरी सब्जी, मांस-मदिरा, स्त्री गमन का त्याग करते हैं। पांव में जूते नहीं पहनते हैं। एक बार घर से बाहर निकलने के बाद सवा माह तक अपने घर भी नहीं जाते हैं।

एक गांव का गवरी दल केवल अपने गांव में ही नहीं नाचता है, अपितु हर दिन उस अन्य गांव में जाता है, जहाँ उनके गांव की बहन-बेटी ब्याही गई है। नृत्य के अंत में गवरी को न्यौतने वाली बहन-बेटी उन्हें भोजन कराती है और कपड़े भेंट करती है, जिसे पहरावणी कहते हैं। कई बार जिस बहन-बेटी के गांव में गवरी खेले जाती है उस गांव में सभी मिलकर भोजन एवं पहरावणी का बंदोबस्त करते हैं। गवरी नृत्य के लिए दल का गठन करते समय कलाकारों के लिए

कपड़ों, गहनों और साज सज्जा आदि पर आने वाले खर्च को पूरे गांव के सभी जातियों के लोग मिल-जुल कर वहन करते हैं। जो कलाकार गवरी में जिस पात्र का अभिनय करता है, अक्सर वह हर समय उसी की वेशभूषा पहने रहता है। गवरी का आयोजन शहर एवं गांव के अलग-अलग स्थानों पर प्रातः 9 बजे से सांय 6 बजे तक चलता है। इसमें 15-16 वर्ष के युवकों से लेकर 50-60 वर्ष तक के पुरुष भाग लेते हैं। नृत्य नाटिका में 50-60 लोग पूर्ण हर्षोल्लास के साथ भाग लेते हैं। गांव में हर तीसरे वर्ष गवरी ली जाती है।

गवरी खेल में दो मुख्य पात्र राईबुडिया और राईमाता सबसे अहम होते हैं। राईबुडिया को शिव तथा राईमाता को पार्वती माना जाता है। इसलिए दशक इन पात्रों की पूजा भी करते हैं। गवरी का मूल कथानक शिव और भामासुर से संबंधित है। इसका नायक राईबुडिया होता है, जो शिव तथा भामासुर का प्रतीक है। राईबुडिया की वेशभूषा विशिष्ट होती है। गवरी के मुख्य खेलों में काह-गुजरी, कालू कीर, बगजारा, मीणा, नाहर-सिंही, नाहर, कालका देवी, कालबेलिया, रोई-माछला, सूर-सूखी, भंवर-दानव, बडल्या-हिंदवा, कंजर-कंजरी, नौरता, हरिया-अंकाव, खेतुड़ी एवं बादशाह की सवारी जैसे कई खेल आकर्षण का केंद्र होते हैं। रक्षाबंधन के दूसरे दिन से ठीक



चालीसवें दिन गडावण-वलावण पर्व के साथ गवरी का समापन किया जाता है। इस दिन गौरजा देवी की गजारूढ प्रतिमा को जल में विसर्जित किया जाता है। खेल्ने मिट्टी से गौरजा देवी की हाथों पर आरूढ प्रतिमा बनाते हैं। जिस दिन गौरजा देवी की प्रतिमा बनाई जाती है, उसी दिन गडावण पर्व मनाया जाता है। जिस दिन इसे विसर्जित किया जाता है उस दिन को वलावण पर्व कहा जाता है।

-पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

आई सी यू मत भेजजे

ठाकुर जी की पूजा के सामने बेटी माँ, माला के मणिये घुमा रही थी। प्रणाम करने आया तो इशारा से बैठने को कहा। माला का फेरा पूरा होने पर दोनों आंखों से लगा, माला को रखा बोली, 'महारा माथा पर हाथ रख' कह के मैं कहूँ बनेगी। कहने लगी, 'मैं आखरी 'टेम' अस्पताल मत लेज्याजे। दुर्गत 'म'तां कराजे। दुर्गति (इन्डिगिनिटी) की उनकी अपनी सूच अपनी अवधारणा थी। माँ की इच्छा :-

माळा मनका फेरती, बोली थी यूं माता।

के कर्णों उण टेम पर, सुण तू महारी बात।

नीचे मैंने उतारजे, गोडो दीजे माथा।

महारी खुली हथेलियां, रखजे थारा हाथा।

चेत नहीं, चित से घर्णा, ल्यूँगी मैं पहचौंगा।

साँ का सूर, साँ की छुअन, रोम रोम की बाणा।

दुर्गत मता करायजे, सघन इकाईं जेज।

नळी, पेगळ्या जकड कर, मोत जोहती सेज।

अपणो जीवण जी चुकी, थाँ मैं जीउँं चाह।

मोत टळै दुर्गत हुँ अँ, आ महारी नी चाह।

दुर्गत मता करायजे, नळ्याँ, पेगळ्याँ डाळ।

कंठा अटके जीव ओ, टक-टक जोऊँ काळ।

थाँ खातिर ही मैं जिई, ओ ही महारो नेम।

आई. स्कु. मत जेजजे, मने आखरी टेमा।

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

मैंने अपने सहयोगी को माँ की इच्छा के बारे में बताया। छुटते ही बोले-यह तो आत्म हत्या है। मैंने उन्हें समझाया कि किसी भी व्ययक्त सक्षम व्यक्ति के होशो हवाश में लिए गए निर्णय के खिलाफ आप उसके शरीर पर कुछ नहीं कर सकते। उसकी स्वीकृति (कसेन्ट) आवश्यक है। नकारात्मक निर्णय (हिनायल आफ कसेन्ट) भी बाध्यकारी होता है। यह व्यक्ति की स्वायत्तता (ऑटोनोमी) के अधिकार में आता है। भविष्य के लिए लिए गए ऐसे निर्णय को एडवांस डायरेक्टिव अथवा लिविंग विल

किरवाड़ा निवासी राजेश वर्मा राष्ट्रपति के सचिव बने

श्रीमहावीरजी, (निस)। भारत सरकार ने उड़ीसा केडर से 1987 में आईएएस बने राजेश वर्मा को राष्ट्रपति ड्रैपदी मुर्मू का सचिव नियुक्त किया है। इससे पहले राजेश वर्मा उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सचिव व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के विभाग में सचिव पद पर कार्यरत रहे।

राजेश वर्मा के पिता श्रीराम वर्मा चीफ जनरल मैनेजर (आई ई एस) से 2003 में सेवानिवृत्त हुए। राजेश वर्मा के छोटे भाई राकेश वर्मा डिप्टी जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

बहन डॉ. आशा वर्मा जनाना हॉस्पिटल एसएमएस जयपुर की अधीक्षक हैं।

गोवा किरवाड़ा में राजेश वर्मा के राष्ट्रपति के सचिव बनने पर खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने एकत्रित होकर के आपस में मिठाई खिला कर प्रसन्नता जाहिर की।



भारत सरकार ने उड़ीसा केडर से 1987 में आईएएस बने राजेश वर्मा को राष्ट्रपति ड्रैपदी मुर्मू का सचिव नियुक्त किया।

किंजर धाम मेले में रहा कुशितियों का रोमांच

हिण्डौन/ टोडाभीम, (निस)। समीपवर्ती आस्थाधाम किंजर धाम में शुक्रवार को आयोजित वार्षिक मेले में हजारों भक्तों ने दर्शन कर मंत्रों मांगी। इस अवसर पर कुशितियों का रोमांच रहा, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने विजेता पहलवानों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया। इस दौरान आस्थाधाम स्थित पवित्र गुफा के दर्शन कर भक्तों ने चरणामृत लिया।

गांव भंडारी की पहाड़ी की तलहटी

■ किसान नेता रामनिवास ने पहलवानों को किया पुरस्कृत

स्थित प्राचीन तपोभूमि किंजर वैकुंठ धाम पर हर वर्ष की भांति शुक्रवार को जन्माष्टमी के अवसर पर वार्षिक मेले का आयोजन हुआ। मेले में सुबह से ही धर्मप्रियों का आना शुरू हो गया। दोपहर तक उपखंड सहित प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए हजारों भक्तों ने ठाकुरजी महाराज तथा पवित्र गुफा के दर्शन कर मंत्रों मांगी। इस अवसर

कुशी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों प्रतियोगियों ने भाग लिया। मेला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस की माफूल व्यवस्था रही। मेला आयोजन से जुड़े राजेन्द्र सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह चौहान, बिशन सिंह चौहान, भवानी सिंह वीशन के आदिने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं के आयोजन व्यवस्था में पुलिस के साथ कार्यकर्ताओं ने भी सहयोग किया। मेले में मुख्य आकर्षण कुशितियों का रोमांच रहा। कुशती दंगल

में आसपास सहित दूरदराज से आए पहलवानों ने दांवपेंच दिखाए। आखिरी 31 बराबर में कुशती दंगल में पहलवान लाखन और अलवर के पहलवान तीफिक के बीच हुई, जो बराबर में छूटी।



आस्थाधाम किंजर धाम में आयोजित वार्षिक मेले में कुशितियों का रोमांच रहा, जिसमें विजेता पहलवानों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया।

कुशी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों प्रतियोगियों ने भाग लिया। मेला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस की माफूल व्यवस्था रही। मेला आयोजन से जुड़े राजेन्द्र सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह चौहान, बिशन सिंह चौहान, भवानी सिंह वीशन के आदिने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं के आयोजन व्यवस्था में पुलिस के साथ कार्यकर्ताओं ने भी सहयोग किया। मेले में मुख्य आकर्षण कुशितियों का रोमांच रहा। कुशती दंगल

में आसपास सहित दूरदराज से आए पहलवानों ने दांवपेंच दिखाए। आखिरी 31 बराबर में कुशती दंगल में पहलवान लाखन और अलवर के पहलवान तीफिक के बीच हुई, जो बराबर में छूटी।

में आसपास सहित दूरदराज से आए पहलवानों ने दांवपेंच दिखाए। आखिरी 31 बराबर में कुशती दंगल में पहलवान लाखन और अलवर के पहलवान तीफिक के बीच हुई, जो बराबर में छूटी।

में आसपास सहित दूरदराज से आए पहलवानों ने दांवपेंच दिखाए। आखिरी 31 बराबर में कुशती दंगल में पहलवान लाखन और अलवर के पहलवान तीफिक के बीच हुई, जो बराबर में छूटी।

में आसपास सहित दूरदराज से आए पहलवानों ने दांवपेंच दिखाए। आखिरी 31 बराबर में कुशती दंगल में पहलवान लाखन और अलवर के पहलवान तीफिक के बीच हुई, जो बराबर में छूटी।

आपणी पाठशाला में पहुंचा जापान का प्रतिनिधि मंडल

चुरू, (कास)। बच्चों से रूबरू होने के लिए जापान के प्रतिनिधि मंडल के साथ सांसद राहुल कर्वाण चुरू जिला मुख्यालय पर चल रही आपणी पाठशाला में पहुंचे। उन्होंने यहां धर्मवीर जाखड़ द्वारा संचालित आपणी पाठशाला का निरीक्षण किया। संस्था संरक्षक प्रो एच आर इसरान ने बताया कि गरीब व वंचित बच्चों के हितार्थ धर्मवीर जाखड़ द्वारा चलाई जा रही आपणी पाठशाला का निरीक्षण किया। जापानी प्रतिनिधि मंडल ने इस अनूठी पहल की प्रशंसा की। जापानी दूतावास के राजनीतिक सलाहकार केनतारो ओरिता ने कहा कि आपणी पाठशाला की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट बनाकर जापान सरकार को भेजेगी। केनतारो ने इस पूरे कार्यक्रम में शिक्षक की भूमिका निभा रहे शिक्षक टीम की

प्रतिनिधि मंडल ने सांसद राहुल कर्वाण के साथ किया निरीक्षण

जापानी प्रतिनिधि मंडल ने अनूठी पहल की प्रशंसा की

सहाना की। इस पर धर्मवीर जाखड़ ने उपस्थित शिक्षक टीम से परिचय करवाया। मौके पर मौजूद सभी शिक्षकों ने अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान जापान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी सिद्धार्थ कुमार, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, जिला प्रमुख वंदना आर्य सहित प्रशासनिक अधिकारी, संस्था सदस्य धर्मवीर जाखड़, मुकेश देवी, दिलीप सरावण, राजेन्द्र सुंडा, दीपचंद सहारण आदि उपस्थित रहे।

प्रतिनिधि मंडल ने सांसद राहुल कर्वाण के साथ किया निरीक्षण

जापानी प्रतिनिधि मंडल ने अनूठी पहल की प्रशंसा की

सहाना की। इस पर धर्मवीर जाखड़ ने उपस्थित शिक्षक टीम से परिचय करवाया। मौके पर मौजूद सभी शिक्षकों ने अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान जापान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी सिद्धार्थ कुमार, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, जिला प्रमुख वंदना आर्य सहित